चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 20.1.2021......पृष्ठ संख्या.......2.........कॉलम.......6-8.........

'आधुनिक तकनीक से श्रम व शक्ति बचाएं महिलाएं'

हिसार, 19 जनवरी (ब्यूरो): खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सूझ-बूझ से काम करने की जरूरत है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवाकि संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह ने कहे। वे गांव टोकस में अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थीं।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जागरूक करते महाविद्यालय के शिक्षक।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की ओर से किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीणांचल की महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण को लेकर गतिविधियों व जागरुकता उत्पन्न करना है। डॉ. किरण सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे कई बार दिन-रात मेहनत करती हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में उन्हें अधिक मेहनत के बावजूद इच्छानुरूप परिणाम नहीं मिल पाते। इस अवसर पर डॉ. अंजू अनेजा, कविता, सीमा सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक ..20..1..2021..पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4.....

'आधुनिक तकनीकों की सहायता लें महिलाएं'

हिसार(ब्यूरो)। खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सूझबूझ से काम करने की जरूरत है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह ने कही। वे टोकस गांव में मंगलवार को अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थीं।

डॉ. किरण सिंह ने कहा कि महिलाएं दिनरात मेहनत करती हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में उन्हें अधिक मेहनत के बावजूद परिणाम उसी अनुरूप नहीं मिल पाते। इसके अलावा हरी सब्जियों आदि को काटने को लेकर आधुनिक साग कटर का प्रयोग नहीं करतीं। इसी वजह से अधिक मेहनत व समय लगने के डर से वे अच्छा खानपान भी नहीं कर पातीं। कार्यशाला के दौरान सेफ्टी दस्ताने, दराती, कैप्रोन आदि का प्रदर्शन करते हुए इनके इस्तेमाल करने के तौरतरीके भी बताए गए। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने महिलाओं को योग व प्राणायाम से होने वाले लाभों से अवगत करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**19.01.2021**	--	--

तकनीक से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव करें: डॉ. सिंह

हिसार/19 जनवरी/रिपोर्टर

खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सूझबूझ से काम करने की जरूरत है। ये शब्द चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह ने कहे। वे गांव टोकस में अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण को लेकर गतिविधियों व जागरूकता उत्पन करना है। डॉ. किरण सिंह ने कहा कि कई बार महिलाएं दिन-रात मेहनत करती हैं लेकिन जानकारी के अभाव में उन्हें अधिक मेहनत के बावजूद परिणाम उसी अनुरूप नहीं मिल पाते। इसके अलावा हरी सब्जियों आदि को काटने को लेकर आधुनिक साग कटर का प्रयोग नहीं करती और इसी वजह से अधिक मेहनत व समय लगने के डर से वे अच्छा खानपान भी नहीं कर पाती। उन्होंने महिलाओं व किशोरियों में होने वाली आम समस्याओं व उनकी उचित देखभाल करने के बारे में अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एमडीवी चूल्हा या धुआं रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने फसलों के अवशेषों के उचित प्रबंधन की जानकारी देते हुए इससे पीलेट बनाने के बारे में बताया और इसे गैस के विकल्प के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। इसी कार्यशाला के दौरान सेफ्टी दस्ताने, दराती, कैप्रोन आदि का प्रदर्शन करते हुए इनके इस्तेमाल करने के तौर-तरीके बताए। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने महिलाओं को योग व प्राणायाम से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इस अवसर पर डॉ. अंजू अनेजा, कविता, सीमा सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**19.01.2021**	--	--

श्रम एवं शक्ति बचाव विषय के तहत गांव टोकस में कार्यक्रम आयोजित

आधुनिक तकनीकों की सहायता से श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं महिलाएं : डॉ. किरण

पांच बजे न्यूज

हिसार। खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सुझ-बुझ से काम करने की जरूरत है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवाकि संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह ने कहे। वे गांव टोकस में अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण को लेकर गतिविधियों व जागरूकता उत्पन करना है। डॉ. किरण सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे कई बार महिलाएं दिन-रात मेहनत करती हैं लेकिन जानकारी के अभाव में उन्हें अधिक मेहनत के बावजूद परिणाम उसी अनुरूप नहीं मिल पाते। इसके अलावा हरी सब्जियों आदि को काटने को लेकर आधुनिक साग कटर का प्रयोग नहीं करती और इसी वजह से अधिक मेहनत व समय लगने के डर से वे अच्छा खानपान भी नहीं कर पाती। उन्होंने महिलाओं व किशोरियों में होने वाली आम समस्याओं व उनकी उचित देखभाल करने के बारे में अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने फसलों के अवशेषों के उचित प्रबंधन की जानकारी देते हुए इससे पीलेट बनाने के बारे में बताया और इसे गैस के विकल्प के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। इसी कार्यशाला के दौरान सेफ्टी दस्ताने, दराती, कैप्रोन आदि का प्रदर्शन करते हुए इनके इस्तेमाल करने के तौर-तरीके बताए। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने महिलाओं को योग व प्राणायाम से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इस अवसर पर डॉ. अंजू अनेजा, कविता, सीमा सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**19.01.2021**	--	--

आधुनिक तकनीकों की सहायता से श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं महिलाएं : डॉ. किरण सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 जनवरी : खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सूझ-बूझ से काम करने की जरूरत है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवाकि संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक

डॉ. किरण सिंह ने कहे। वे गांव टोकस में अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थी। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने महिलाओं को योग व प्राणायाम से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इस अवसर पर डॉ. अंजू अनेजा, कविता, सीमा सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**19.01.2021**	--	--

आधुनिक तकनीकों की सहायता से श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं महिलाएं : डॉ. किरण सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सुझ-बुझ से काम करने की जरूरत है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवाकि संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह ने कहे। वे गांव टोकस में अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण को लेकर गतिविधियों व जागरूकता उत्पन करना है।

हिसार। गांव टोकस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जागरूक करते महाविद्यालय के शिक्षक।

उन्होंने महिलाओं व किशोरियों में होने वाली आम समस्याओं व उनकी उचित देखभाल करने के बारे में अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुंआ रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी। इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने महिलाओं को योग व प्राणायाम से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इस अवसर पर डॉ. अंजू अनेजा, कविता, सीमा सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	**19.01.2021**	--	--

आधुनिक तकनीकों की सहायता से श्रम का बचाव कर सकती हैं महिलाएं: डॉ. किरण

हिसार। खेतीबाड़ी व घरेलू कार्यों में आधुनिक तकनीकों की सहायता से महिलाएं श्रम व शक्ति का बचाव कर सकती हैं। इसके लिए महिलाओं को बड़ी सूझबूझ से काम करने की जरूरत है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. किरण सिंह ने कहे। वे गांव टोकस में अखिल भारतीय समन्वित कृषि अनुसंधान परियोजना के तहत आयोजित एक कार्यशाला के दौरान ग्रामीण महिलाओं को संबोधित कर रही थी। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की ओर से किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल की महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण को लेकर गतिविधियों व जागरूकता उत्पन करना था।

डॉ. किरण सिंह ने महिलाओं से कहा कि महिलाएं दिन-रात मेहनत करती हैं लेकिन जानकारी के अभाव में उन्हें अधिक मेहनत के बावजूद परिणाम उसी अनुरूप नहीं मिल पाते। इसके अलावा हरी सब्जियों आदि को काटने को लेकर आधुनिक साग कटर का प्रयोग नहीं करती और इसी वजह से अधिक मेहनत व समय लगने के डर से वे अच्छा खानपान भी नहीं कर पाती। उन्होंने महिलाओं व किशोरियों में होने वाली आम समस्याओं व उनकी उचित देखभाल करने के बारे में अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं को कपास चुगाई के लिए कपड़े का बैग, विकसित दरांती, सिर व चेहरे पर कैपरोन, एम.डी.वी. चूल्हा या धुआं रहित चूल्हा आदि के उचित प्रयोग की जानकारी दी।

इसके साथ-साथ घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सही व उचित तरीके से इस्तेमाल करने की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने फसलों के अवशेषों के उचित प्रबंधन की जानकारी देते हुए इससे पीलेट बनाने के बारे में बताया और इसे गैस के विकल्प के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने महिलाओं को योग व प्राणायाम से होने वाले लाभों से अवगत करवाया। इस अवसर पर डॉ. अंजू अनेजा, कविता, सीमा सहित अनेक ग्रामीण महिलाएं भी मौजूद रहीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 20.1.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-3.....

अमरूद, पनीर और जैली जूस के साथ आंवला जैम बनाने की सीखी विधि

एचएयू स्थित एबिक केंद्र में फूड प्रोसेसिंग पर प्रशिक्षण दिया

सिटी रिपोर्टर • एचएयू हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। ट्रेनिंग में एबिक के इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। एचएयू के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत और सहायक प्रोफेसर रेखा व डॉ. रितु की तरफ से खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए।

इनक्यूबेटीज ने खुद भी प्रोडक्ट किए तैयार : इनक्यूबेटीज ने किन्नू का शरबत, निम्बू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस (बकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद अपने आप प्रॉडक्ट को तैयार किया जिससे की आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 20.1.2024...पृष्ठ संख्या.......4..........कॉलम.........3-4.......

फूड प्रोसेसिंग पर दिया प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक (एग्रीकल्चर बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर) में मंगलवार को फूड प्रोसेसिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एबिक के इंक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

विश्वविद्यालय के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रो. राकेश गहलोत व सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु ने खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, नींबू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस

जानकारी देते विशेषज्ञ।

(बाकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का प्रशिक्षण दिया गया। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया कि समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इंक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं, ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 20.1.2021....पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम....1-2.....

हकृवि स्थित एबिक केंद्र में फूड प्रोसैसिंग पर प्रशिक्षण आयोजित

प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसैसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस ट्रेनिंग में एबिक के इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत व सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, निम्बू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस (बकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद भी अपने आप प्रॉडक्ट को तैयार किया जिससे की आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया की समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेन्टर से जुडना चाहता है तो वह एबिक की वैबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है। इसके बाद उस फार्म को एबिक की मेल आईडी एबिकसीसीएसएचएयूएटजीमेलडॉटकॉम पर भेज कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**19.01.2021**	--	--

हकृवि के एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित

हिसार/19 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई जिसमें इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। हकृवि के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत व सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, निम्बू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस (बकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद भी अपने आप प्रॉडक्ट को तैयार किया जिससे की आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया की समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेन्टर से जुड़ना चाहता है तो वह एबिक की वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है। उन्होंने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**19.01.2021**	--	--

एचएयू स्थित एबिक केंद्र में फूड प्रोसेसिंग पर प्रशिक्षण आयोजित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस ट्रेनिंग में एबिक के इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत व सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, निम्बू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस (बकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद भी अपने आप प्रॉडक्ट को तैयार किया जिससे की आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया की समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेन्टर से जुड़ना चाहता है तो वह एबिक की वेबसाइट http://abichauhisar.com पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है। इसके बाद उस फार्म को एबिक की मेल आईडी abicccshau @gmail.com पर भेज कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**19.01.2021**	--	--

एचएयू स्थित एबिक केंद्र में दी फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस ट्रेनिंग में एबिक के इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत व सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, निम्बू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस (बकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद भी अपने आप प्रॉडक्ट को तैयार किया जिससे आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया की समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सेन्टर से जुड़ना चाहता है तो वह एबिक की वेबसाइट http://abichauhisar.com/ पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है। इसके बाद उस फार्म को एबिक की मेल आईडी एबिकसीसीएसएचएयूएटजीमेलडॉटकॉम (abiccc-shau@gmail.com) पर भेज कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**19.01.2021**	--	--

एचएयू स्थित एबिक केंद्र में फूड प्रोसेसिंग पर प्रशिक्षण आयोजित

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस ट्रेनिंग में एबिक के इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत व सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, निम्बू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस (बकायदा पीने के लिए तैयार) और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद भी अपने आप प्रॉडक्ट को तैयार किया जिससे की आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया की समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेन्टर से जुडना चाहता है तो वह एबिक की वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	**19.01.2021**	--	--

एबिक केंद्र में फूड प्रोसेसिंग पर दिया प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस ट्रेनिंग में एबिक के इनक्यूबेटीज को खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य और विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र के प्रोफेसर राकेश गहलोत, सहायक प्रोफेसर रेखा और डॉ. रितु द्वारा खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण में विभिन्न उत्पादों को व्यवहारिक रूप से बनाकर दिखाया गया।

इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों से भी विभिन्न खाद्य उत्पाद बनवाए गए। इनमें से किन्नू का शरबत, नींबू रस से जूस, आंवला जैम, अमरूद जैली जूस और अमरूद पनीर आदि का सफल प्रशिक्षण दिया गया। इनक्यूबेटीज ने खुद भी अपने आप प्रोडक्ट को तैयार किया जिससे कि आगे ये प्रोडक्ट बनाने में कोई मुश्किल न आए। एबिक की नोडल ऑफिसर डॉ. सीमा रानी ने बताया की समय-समय पर इस तरह के प्रशिक्षण इनक्यूबेटीज को दिए जाते रहते हैं ताकि वह अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों के साथ एक नए आयाम पर ले जा सकें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बना सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर से जुड़ना चाहता है तो वह एबिक की वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**19.01.2021**	--	--

एचएयू के एबिक सेंटर में एग्री इंडिया हैकथॉन के लिए मांगे आवेदन, अंतिम तिथि 20

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में स्थापित एबिक सेंटर में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एग्री इंडिया हैकथॉन आयोजित की जा रही है। आत्मनिर्भर भारत के लिए स्मार्ट कृषि नवाचार चुनौती में कोई भी भाग ले सकता है चाहे वह कोई किसान हो, विद्यार्थियों या कोई भी आम आदमी हो। इसमें भाग लेने के लिए उसके पास नवाचार या कोई आइडिया होना जरूरी है। एबिक की नोडल ऑफिसर डा. सीमा रानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2021 है। इस प्रतियोगिता में केंद्र बिंदु के क्षेत्र जिनके ऊपर आप अपना नवाचार रख सकते हैं उनमें खेत मशीनीकरण, सटीक कृषि, आपूर्ति श्रृंखला और रसद के बाद फसल और खाद्य तकनीक, वेस्ट से वेल्थ आदि विषयों पर अपना नवाचार रख सकते हैं। इसमें चयनित विजेता को इंक्युबेशन सेंटर मे पंजीकृत किया जाएगा और एक लाख रूपये की धनराशि इनाम के रूप में दी जाएगी। इसके साथ-साथ इनक्यूबेशन सेंटर का सपोर्ट, 2 महीने का प्रशिक्षण नि.शुल्क दिया जाएगा और 5 से 25 लाख रूपये एक प्रक्रिया के तहत दिए जाएंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि इसी संदर्भ में एग्री बिजनेस सेंटर ने एक वर्कशॉप का आयोजन किया जिसमें यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी और एबिक के इनक्यूबेटिंज को इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी और उन्हें इस में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में होने वाले नवाचार आने वाले समय में बहुत सहायक होंगे। इसमें भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति इनोवेटिव इंडिया डॉट माई गवर्नमेंट डॉट इन स्लैश एग्री इंडिया हैकथॉन पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**19.01.2021**	--	--

एचएयू के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के निधन पर शोक सभा आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के कमेटी रूम में आयोजित इस शोक सभा की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। शोक सभा में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर के अलावा अनुसंधान निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह का 5 जनवरी 2021 को अकास्मिक निधन हो गया था। उनके निधन से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे वैज्ञानिक जगत के लिए बहुत बड़ा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई हो पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छे वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक दयालु हृदय इंसान भी थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी दिवंगत आत्मा के लिए गहरा दुःख प्रकट किया है। कुलपति ने कहा कि वे बेहतरीन वैज्ञानिक और अच्छे प्रशासक थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि डॉ. महेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय में मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**19.01.2021**	--	--

पूर्व अनुसंधान निदेशक महेंद्र सिंह के निधन पर जताया शोक

हिसार/19 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के कमेटी रूम में आयोजित इस शोक सभा की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उन्होंने बताया कि पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह का 5 जनवरी को आकस्मिक निधन हो गया था। उनके निधन से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे वैज्ञानिक जगत के लिए बहुत बड़ा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई हो पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छे वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक दयालु ह्रदय इंसान भी थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी दिवंगत आत्मा के लिए गहरा दु:ख प्रकट करते हुए कहा कि वे बेहतरीन वैज्ञानिक और अच्छे प्रशासक थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि डॉ. महेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय में मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके थे और उन्होंने कृषि विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्वर्ण पदक भी जीता था। इसके अलावा वे भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के फैलो के रूप में भी चयनित हुए थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने विभिन्न पदों को सुशोभित किया। इसके अलावा उन्होंने युनाइटिड किंगडम, डेनमार्क, जर्मनी और यूएसए आदि देशों में बीज तकनीकी और नीदरलैंड, यूएसए और मिस्त्र आदि देशों में खारे पानी के उचित प्रबंधन एवं निकासी को लेकर यात्रा की। इसी प्रकार उन्होंने कई स्नातकोत्तर एवं शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और मृदा विज्ञान के क्षेत्र में 250 से अधिक रिसर्च पेपर, सिम्पोजिया पेपर और प्रसिद्ध लेख प्रकाशित हुए। शोक सभा में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर के अलावा अनुसंधान निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर, अमर उजाला....

दिनांक ..20.1.2021...पृष्ठ संख्या....2, 4........कॉलम....6-7, 1-2....

कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार| हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डॉ. महेंद्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेंद्र सिंह के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को शोकसभा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के कमेटी रूम में आयोजित इस शोकसभा की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डॉ. सहरावत ने बताया कि पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेंद्र सिंह का 5 जनवरी को आकस्मिक निधन हो गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**19.01.2021**	--	--

एचएयू के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के निधन पर शोक सभा आयोजित

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के अनुसंधान

निदेशालय के कमेटी रूम में आयोजित इस शोक सभा की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। उन्होंने बताया कि पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह का 5 जनवरी को अकास्मिक निधन हो गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी दिवंगत आत्मा के लिए गहरा दुःख प्रकट किया है। कुलपति ने कहा कि वे बेहतरीन वैज्ञानिक और अच्छे प्रशासक थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि डॉ. महेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय में मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके थे और उन्हें कृषि विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्वर्ण पदक भी जीता था। इसके अलावा वे भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के फैलो के रूप में भी चयनित हुए थे। शोक सभा में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर के अलावा अनुसंधान निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**19.01.2021**	---	----

सार समाचार

एचएयू के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के कमेटी रूम में आयोजित इस शोक सभा की अध्यक्षता अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। उन्होंने बताया कि पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह का 5 जनवरी 2021 को अकास्मिक निधन हो गया था। उनके निधन से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे वैज्ञानिक जगत के लिए बहुत बड़ा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई हो पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छे वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक दयालु हृदय इंसान भी थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी दिवंगत आत्मा के लिए गहरा दुःख प्रकट किया है।

कुलपति ने कहा कि वे बेहतरीन वैज्ञानिक और अच्छे प्रशासक थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि डॉ. महेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय में मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके थे और उन्हें कृषि विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्वर्ण पदक भी जीता था। इसके अलावा वे भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के फैलो के रूप में भी चयनित हुए थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने विभिन्न पदों को सुशोभित किया। इसके अलावा उन्होंने युनाइटिड किंगडम, डेनमार्क, जर्मनी और यू.एस.ए. आदि देशों में बीज तकनीकी और नीदरलैंड, यू.एस.ए. और मिस्त्र आदि देशों में खारे पानी के उचित प्रबंधन एवं निकासी को लेकर यात्रा की। इसी प्रकार उन्होंने कई स्नातकोत्तर एवं शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और मृदा विज्ञान के क्षेत्र में 250 से अधिक रिसर्च पेपर, सिम्पोजिया पेपर और प्रसिद्ध लेख प्रकाशित हुए।

शोक सभा में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर के अलावा अनुसंधान निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समर घोष	**19.01.2021**	---	----

पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के निधन पर हुई शोक सभा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेन्द्र सिंह के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को एक शोक सभा हुई। इस दौरान उपस्थितजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उल्लेखनीय है कि पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. महेंद्र सिंह का बीती 5 जनवरी 2021 को आकस्मिक निधन हो गया था। उपस्थितजनों ने इस अवसर पर कहा कि उनके निधन से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे वैज्ञानिक जगत के लिए बहुत बड़ा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई हो पाना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छे वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक दयालु इंसान भी थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी दिवंगत आत्मा के लिए गहरा दुख प्रकट किया है। कुलपति ने कहा कि वे बेहतरीन वैज्ञानिक और अच्छे प्रशासक थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि डॉ. महेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय में मृदा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके थे और उन्हें कृषि विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए स्वर्ण पदक भी जीता था। इसके अलावा वे भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी के फैलो के रूप में भी चयनित हुए थे। शोक सभा में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर के अलावा अनुसंधान निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।